

प्रेमाचार्य पुं. (तत्.) प्रेम का आचार्य, प्रेम का विवेचनाकार।

प्रेमातुर वि. (तत्.) प्रेम के कारण आतुर या व्याकुल, प्रेमविह्वल, प्रेम के लिए लालायित।

प्रेमा भक्ति स्त्री. (तत्.) दे. प्रेमलक्षणा भक्ति।

प्रेमालाप पुं. (तत्.) 1. प्रेम का आलाप, प्रेम की बात, जो बातचीत प्रेमपूर्वक हो 2. प्रेमी-प्रेमिका की प्रेमपूर्ण वार्ता।

प्रेमालिंगन पुं. (तत्.) प्रेम से गले लगाना, प्रेम पूर्वक आलिंगन करना, प्रेमी-प्रेमिका का गले लगाना।

प्रेमाश्रयी पुं. (तत्.) प्रेम का आश्रय वाली, प्रेम के माध्यम से परमेश्वर को प्राप्त करने वाली भक्ति, प्रेम की साधना शैली टि. सूफियों की साधना पद्धति प्रेमाश्रयी साधना है।

प्रेमाश्रु पुं. (तत्.) प्रेम या प्रीति के आँसू, प्रेम के आधिक्य के कारण निकलने वाले आँसू।

प्रेमास्पद पुं. (तत्.) प्रेम का आस्पद, प्रेम के योग्य, प्रिय व्यक्ति।

प्रेमिक पुं. (तत्.) प्रेम से भरा हुआ, प्रेमी, प्रेमी व्यक्ति स्त्री. प्रेमिका।

प्रेमिन वि. (तत्.) प्रेम करने वाली, 'प्रेमी शब्द' की स्त्रीलिंग रूप में प्रयोग।

प्रेमी वि. (तत्.) 1. जो प्रेम करने वाला हो, प्रेमयुक्त 2. किसी वस्तु या व्यक्ति से प्रेम करने वाला 3. स्त्री से प्रेम करने वाला पुरुष 4. वह पुरुष जो किसी स्त्री से अनुचित प्रेम रखता है 5. पति के अलावा स्त्री से प्रेम करने वाला कोई व्यक्ति।

प्रेमैकलभ्य पुं. (तत्.) केवल प्रेम से प्राप्त होने वाला व्यक्ति या वस्तु टि. प्रेमाश्रयी साधना पद्धति में ईश्वर प्रेमैकलभ्य होता है।

प्रेमोच्छ्वास पुं. (तत्.) प्रेम का उच्छ्वास, विछोह में प्रेम पीड़ा की गहरी साँस।

प्रेय वि. (तत्.) 1. अतिशय प्रिय, विशेष रूप से प्रिय लगने वाला व्यक्ति 2. स्वामी या पति 3. नायिका का प्रेमी 4. सुखों की इच्छा टि. एक 'वाद' प्रेमवाद के नाम से प्रसिद्ध है जिसमें सुख और भोग को प्रधानता दी गई हो।

प्रेयरी पुं. (अं.) हरी भरी घास वाली जमीन, घास युक्त मैदान।

प्रेयसी स्त्री. (तत्.) 1. प्रेम करने वाली, प्रिया, प्रेमिका 2. पत्नी 3. अतिशय प्रिय, अत्यंत प्यारी।

प्रेरक पुं. (तत्.) प्रेरणा देने वाला।

प्रेरकत्व पुं. (तत्.) जिसमें प्रेरणा देने का भाव हो, प्रेरकता।

प्रेरण पुं. (तत्.) प्रवृत्ति, प्रेरणा देना, प्रणोदित करना, कार्य करने के लिए किसी को उत्साहित करना या भेजना स्त्री. प्रेरित करना, उत्तेजित करने की क्रिया, उत्साहित या उत्तेजित करने की विधि, उपाय, प्रेरक तत्व टि. अच्छे कार्यों के करने के लिए पुरस्कार, प्रशंसा आदि प्रेरणाओं का उपयोग किया जाता है।

प्रेरणार्थक क्रिया स्त्री. (तत्.) 1. प्रेरणा देने वाली क्रिया 2. भाषा के व्याकरण में कर्ता स्वयं कोई कार्य न कर किसी दूसरे व्यक्ति से कराता है तो ऐसी क्रिया को प्रेरणार्थक क्रिया कहा जाता है जैसे- पढ़ना से पढ़ाना-पढ़वाना आदि क्रिया।

प्रेरणीय पुं. (तत्.) जिसको प्रेरणा दी जा सके, प्रेरणा देने लायक, प्रेरणा दिए जाने के योग्य।

प्रेरना स.क्रि. (तत्.) 1. प्रेरणा देना, प्रेरित किया जाना 2. प्रेषित करना 3. प्रचालित करना।

प्रेरयिता वि. (तत्.) प्रेरणा देने वाला, प्रेरित करने वाला, प्रेरक।

प्रेरित वि. (तत्.) प्रेरणा प्राप्त, किसी काम में लगाया गया, उत्साहित किया गया, उत्प्रेषित।

प्रेरितक पुं. (तत्.) 1. धर्म का, धर्म का पैतृक पीठ 2. रोम का धार्मिक पीठ, वरिष्ठ धर्मासन।